



YEAR-2008



### रेल और राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन

अनेक इतिहासकारों का विश्वास है कि भारतीय स्वतंत्रता के लिए संघर्ष उस समय शुरू हुआ जब गांधी जी को 'कुली बैरिस्टर' होने के नाते दक्षिण अफ्रीका में प्रथम श्रेणी के रेल डिब्बे से बाहर फेंक दिया गया था। गांधी जी ने रेल को एकीकरण की एक बड़ी भूमिका में देखा। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान घटी कुछ बड़ी घटनाएं भारतीय रेल के आसपास घूमती रही। स्वतंत्रता आंदोलन को रेल की उपलब्धता के कारण अपेक्षित गति मिली क्योंकि यह परिवहन और संचार का अति महत्वपूर्ण तरीका था।

रेल मंत्रालय ने अपनी झांकी के अग्रभाग में स्वतंत्रता आंदोलन की महत्वपूर्ण घटनाओं और प्रमुख नेताओं को दर्शाया है। पृष्ठ भाग के दृश्य में रेलवे स्टेशन पर जॉन साइमन के पहुंचने पर लोगों के विरोध प्रदर्शन का चित्र है। इसके पीछे दूसरी घटना का चित्रण है जो अगस्त 1942 में पुणे (तत्कालीन पूना) रेलवे स्टेशन पर हुई थी जब मौलाना अबुल कलाम आजाद, महात्मा गांधी, सरोजिनी नायडू और पंडित जवाहर लाल नेहरू जैसे प्रमुख कांग्रेसी नेताओं को मुंबई (तत्कालीन बंबई) में बंदी बनाकर एक विशेष ट्रेन से पुणे ले जाया गया था।

### RAILWAYS AND NATIONAL FREEDOM MOVEMENT

Many historians believe that struggle for Indian freedom began when Gandhiji was thrown out of the first class Railway compartment in South Africa being a 'coolie barrister'. Gandhiji saw in the Railways a great integrating role. Some of the great events have revolved round the Indian Railways during the freedom movement. The freedom movement gained the required momentum due to the availability of Railways as the most important mode of transportation and communication.

The Ministry of Railways in the front portion of its tableau projects the important events and prominent leaders of the freedom movement. The visual on the rear portion shows people's protest on arrival of John Simon at a Railway Station. This is followed by another incident which took place in Pune (then Poona) Railway Station in August, 1942 when prominent Congress leaders like Maulana Abul Kalam Azad, Mahatma Gandhi, Sarojini Naidu and Pandit Jawaharlal Nehru after being arrested in Mumbai (then Bombay) were taken to Pune in a special train.